पाठ 13. माँ के नाम पत्र

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में भावनाओं पर नियंत्रण संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे उत्तेजित व उद्वेलित करने वाले कारकों से सकारात्मक रूप से निपटने की क्षमता बढ़ा सकें। नेताजी सुभाष चंद्र बोस एक ऐसे प्रेरक व्यक्तित्व के धनी रहे जिन्होंने सोए हुए समाज को जगाने, भारत की भूमि से अंग्रेज़ों को भगाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। कोई देश यदि सुविधाभोगी और परिश्रम से बचने-भागने वाला बन जाता है तो उसकी प्रगति के द्वार खुलना हमेशा के लिए कठिन हो जाता है।

पाठ का सार

बाल्यावस्था में ही सुभाष बाबू ने राँची से सन् 1912 में माँ के नाम एक पत्र लिखा। पत्र उनकी उम्र से कहीं अधिक गहरा और गंभीर है। नेताजी के भीतर का देशप्रेम और सहन करने की शक्ति के प्रति उनका आग्रह इस पत्र में साफ़-साफ़ दिखता है। मानव जीवन को बहुत मूल्यवान मानते हुए, इस जीवन को देश और समाज के कल्याण को समर्पित करने की सुंदर भावना तो इसमें प्रकट हुई ही है, भारतमाता के प्रति लेखक का अनूठा प्यार भी इसमें पूरी ताकत के साथ अंकित है। सुभाष बाबू को जो बात सबसे अधिक परेशान कर रही है वह है बाबू लोगों की अकर्मण्यता, निकम्मापन और उनकी आरामपरस्ती। कष्ट सहन करने की शक्ति का हम अपने में विकास करें, इसकी इच्छा भी उन्होंने पूरी बेताबी के साथ प्रकट की है। भारतमाता की सेवा के प्रति सुभाष बाबू की तत्परता उनके भावी जीवन के प्रति संकेत भी देती है और उसके लिए मज़बूत आधार भी तैयार करती है। ऐसे थे बारह वर्ष की उम्र में हमारे वीर स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  नेताजी सुभाषचंद्र बोस के विषय में लिखी अनेक संस्मरणात्मक पुस्तकों में से कुछ के एकाध अंश कक्षा में पढ़कर सुनाए जाएँ या संस्मरणात्मक शैली में उनके माध्यम से नेताजी का परिचय बच्चों से कराया जाए।

  पत्र के प्रारूप में जानकारी देते हुए इस पत्र का पहले मौन फिर मुखर वाचन (एकल वाचन) कराया जाए। महत्वपूर्ण बिंदुओं और अपेक्षाकृत अपरिचित शब्दों के अर्थ से बच्चों को परिचित कराया जाए। पूरा पत्र एक दिन में पढ़ा दिया जाए। प्रश्नोत्तर बच्चों के सहयोग या सहभागिता से संपन्न कराए जाएँ।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 3** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - वाक्यों में क्रियाविशेषण शब्दों को छाँटने का अभ्यास कराया जाए। पाठ से योजक चिह्न वाले शब्दों को छाँटने पर बल दें।
- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - भाषण तैयार करते समय बच्चों का मार्गदर्शन करें।

- ❖ भ्रष्टाचार विरोधी आवाज़ों और सरोकारों के संबंध में विभिन्न समाचार पत्रों के अंश कक्षा में पढ़े-दिखाए जाएँ।
- ❖ चींटी से संबंधित किसी कहानी की कक्षा में चर्चा करें।